पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 16.12.2019 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

हरियाणा प्रान्तीय बैठक

शनिवार, 28 दिसम्बर 2019, प्रातः 11 बजे

स्थानः आर्य समाज,सैक्टर–13,करनाल

मुख्य वक्ता–

राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सभी साथी समय पर पंहुचे

–स्वतन्त्र कुकरेजा, प्रान्तीय अध्यक्ष

वर्ष-36 अंक-14 पौष-2076 दयानन्दाब्द 196 16 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2019 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 16.12.2019, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में महिला उत्पीड़न के विरूद्व प्रदर्शन

बलात्कारियों को अविलम्ब फांसी की सजा का कानून बनाओ– –आर्य नेता अनिल आर्य

सोमवार, 9 दिसम्बर 2019, आर्य समाज की युवा संस्था केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधान में नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर प्रदर्शन कर बलात्कारियों को अविलम्ब फांसी की सजा देने की मांग की गई ओर महिलाओं पर बढ़ते अपराधों पर चिन्ता व्यक्त की गई। प्रदर्शन में दिल्ली के कौने कौने से सैंकड़ो आर्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का प्रारम्भ डा.प्रिंयका रेडी की आत्मा की शान्ति के लिये ''यज्ञ'' कर प्रार्थना की गई व तेलगांना पुलिस को त्वरित कार्यवाही के लिये बधाई दी गई।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महिलाओं पर बढ़ते अपराध सभ्य समाज पर कंलक है। उन्होंने कहा कि इसके लिये लचर कानून व्यवस्था जिम्मेदार है जो वर्षो बीत जाने के बाद भी अपराधी को सजा नहीं दे पाती जिससे अपराध करने वालों में कानून का भय नहीं होता। प्रधानमंत्री ओर केन्द्रीय गृहमंत्री को पत्र लिख कर अनुरोध किया गया कि शीघ्र ऐसी व्यवस्था की जाये जिससे बलात्कार का कोई भी अपराधी लम्बे समय तक न बच पाये उसे अविलम्ब फांसी की सजा मिलनी ही चाहिये तभी अपराधों पर रोक लग पायेगी। आज पुलिस व न्याय व्यवस्था को स्वस्थ बनाने की आवश्यकता है,देर से मिला न्याय न्याय नहीं होता। हमारे शास्त्र कहते है जिस घर में नारी का सम्मान नहीं होता वह घर नरक के समान है। केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश की अध्यक्षा उर्मिला आर्या ने कहा कि संस्कारों की व नैतिक शिक्षा की कमी के कारण यह अपराध हो रहे हैं,विद्यालयों की शिक्षा में संस्कार देने की आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि अश्लीलता भी इसके लिये काफी हद तक जिम्मेदार है। उन्होंने फिल्मो पर भी कठोर सेंसर शिप लागु कर अश्लीलता को रोकने के लिये कहा।

परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया व उन्होंने कहा कि हम अपनी सन्तानों को नहीं सम्भाल पा रहे हमारे पास उनकी देख भाल के लिये समय ही नहीं है इसलिये यह सब बिगाड़ आ रहा है। प्रवीन आर्य(प्रान्तीय महामन्त्री उ.प्र.) ने कहा कि जब तक न्याय व्यवस्था दुरस्त नहीं होगी अपराध नहीं रूक सकते इसी से अपराधियों के हौसले बुलन्द रहते है।

इस अवसर पर यशोवीर आर्य,रामकुमार आर्य, प्रवीन आर्या, डा. सुषमा आर्या, देवेन्द्र भगत, सौरभ गुप्ता, शिवम मिश्रा, कृष्णलाल राणा, ओमवीरसिंह आर्य, सुदेश भगत, सुनीता बुग्गा, डा. वीरपाल विद्यालंकार, विनित आहुजा, देवेन्द्र गुप्ता, मीना आर्या, रेखा गुप्ता, प्रद्योत पाराशर आदि उपस्थित थे।

फरीदाबाद में बैठक सम्पन्न व डा. विजय कुमार मल्होत्रा का जन्मोत्सव सम्पन्न

रविवार, 8 दिसम्बर 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला फरीदाबाद की कार्यकर्ता बैठक श्रद्धा मन्दिर स्कूल, सैक्टर–87, फरीदाबाद में आर्य केन्द्रीय सभा फरीदाबाद के प्रधान डा. गजराजसिंह आर्य की अध्यक्षता में सोल्लास सम्पन्न हुई। सभी ने दिल्ली आर्य महासम्मेलन को सफल बनाने का आश्वासन दिया। चित्र में– आर्य समाज, मेन बाजार, बल्लभगढ़ के प्रधान श्री महेन्द्र वोहरा का अभिनन्दन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य, पी. के. मितल एडवोकेट, डा.गजराजसिंह आर्य, प्रवीन आर्या व जिला अध्यक्ष जितेन्द्रसिंह आर्य। प्रमुख रूप से माता विमला ग्रोवर,महेश गुप्ता, मकेन्द्र कुमार, ओमप्रकाश सेठी, वीरेन्द्र योगाचार्य, अशोक शास्त्री, सत्यप्रकाश भारद्वाज, देवेन्द्र तनेजा, वासु सत्यार्थी, रघुवीर शास्त्री उपस्थित थे। द्वितीय चित्र–भाजपा के वरिष्ठ नेता डा.विजय कुमार मल्होत्रा के 88 वें जन्म दिवस पर अभिनन्दन करते अनिल आर्य,प्रवीन आर्या व सुपुत्र अजय मल्होत्रा।

'वैदिक धर्म एवं संस्कृति की रक्षा करना आर्यसमाज के लिए चुनौती है'

—मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून

सृष्टि के आदि काल से ईश्वरीय ज्ञान वेदों पर आधारित वैदिक धर्म एवं तदनुकूल वैदिक संस्कृति न केवल आर्याव्रत भारत में अपितु विश्व के अनेक देशों में विद्यमान रही है। सृष्टि की उत्पत्ति 1.96 अरब वर्ष पूर्व हुई थी। तब से महाभारत काल तक पूरे विश्व में विशुद्ध वैदिक धर्म एवं संस्कृति ही शत–प्रतिशत लोगों का धर्म होता था। इस अवधि में सम्पूर्ण भारत एवं विश्व की उपासना एवं अग्निहोत्र–यज्ञ की पद्धति भी एक ही थी, इसका अनुमान होता है। महाभारत युद्ध के बाद वैदिक धर्मी आर्यों के आलस्य प्रमाद व आपस की फूट के कारण पतन होना आरम्भ हुआ। ढाई हजार वर्ष पहले महात्मा बुद्ध के समय तक भी वैदिक धर्म और संस्कृति अपने किंचित विकृत रूप में देश देशान्तर में प्रचलित थी। महाभारत के बाद देश में बौद्ध मत व जैन मतों का आविर्भाव हुआ। इन मतों का प्रादुर्भाव वैदिक धर्म में यज्ञों में की जाने वाली पशु हिंसा मुख्य रूप से मानी जाती है। यदि महाभारत के बाद वैदिक मत में विकृतियां न आई होतीं तो इन मतों का प्रचलन न हुआ होता। इसके बाद ईसाई मत और उसके लगभग 5 शताब्दियों बाद इस्लाम मत का आविर्भाव हुआ। यह दोनों मत भारत से दूर अन्य देशों में उत्पन्न हुए थे। इन मतों की उत्पत्ति का कारण उन देशों में प्रचलित अज्ञान व तदनुरूप परम्परायें प्रतीत होती हैं। इन मतों ने तेजी से अपने निकटवर्ती क्षेत्रों में येन–केन–प्रकारेण विस्तार किया। यह मत वेद और बौद्ध धर्म की अहिंसा के समान सत्य और अहिंसा पर आधारित नहीं थे। इनका उद्देश्य स्व–मत का विस्तार करना रहा। इन दिनों भारत सोने की चिड़िया कहलाता था। विदेशों में भारत के वैभव का प्रचार था। अतः वहां से कुछ लोग भारत को लूटने आदि कारणों से ईसा की आठवीं शताब्दी में भारत में प्रविष्ट हुए। उन्होंने न केवल भारत की भौतिक सम्पत्ति को ही लूटा अपितु अनावश्यक लोगों की हत्यायें की और मातृ शक्ति का घोर अपमान किया।

विदेशी विधर्मियों के आक्रमणों के समय भारत में भयंकर फूट थी। यदि दो तीन राजा भी मिलकर विधर्मी आततायियों का विरोध करते और आर्य शास्त्रों में वर्णित सूझबूझ व नीतियों से काम लेते तो यह आसानी से आततायियों को पराजित कर सकते थे। ऐसा न हो सका। एक–एक कर भारत के राजा पराजित होते रहे और देश की स्वतन्त्रता, वैदिक धर्म व संस्कृति दांव पर लग गई। वह भंग हुई व विधर्मियों के हाथों अपमानित होती रही। भारत में एकता न होने के पीछे प्रमुख कारण पाषाण मूर्तियों की पूजा तथा फलित ज्योतिष सहित मिथ्या सामाजिक परम्परायें व आपसी भेदभाव आदि थे। खेद है कि जान–माल व अपमान सह कर भी हमारे लोगों पर इनका कोई उचित प्रभाव नहीं हुआ। यह उसी पतन के मार्ग पर चलते रहे। आज भी इन्होंने वह मार्ग छोड़ा नहीं है जबकि अनेक समाज सुधारकों ने हिन्दू मत के अज्ञान व अन्धविश्वासों का खण्डन किया है। सुधारकों की लम्बी सूची है जिसमें सबसे प्रभावी धर्म प्रचार ऋषि दयानन्द (1825–1883) ने किया। उन्होंने न केवल वैदिक धर्म का सत्यस्वरूप देशवासियों के सामने रखा अपितु सद्धर्म वैदिक धर्म का प्रचार करने के साथ अन्य मतों की अविद्या व मिथ्या मान्यताओं व परम्पराओं की समीक्षा भी की। ऋषि दयानन्द से पूर्व व उनके समय आर्य हिन्दुओं का छल, भय, प्रलोभन व बल के आधार पर मतान्तरण किया जाता था परन्तु हिन्दू अपने ही धर्मान्तरित भाईयों को अपने साथ मिलाते नहीं थे। ऋषि दयानन्द ने इस परम्परा में भी सुधार किया और उन्होंने शुद्धि का विधान दिया जिसका उपयोग उन्होंने व बाद के आर्य विद्वानों व नेताओं ने किया जिसके कारण अन्य मतों के विद्वानों सहित वैदिक मत से ईसाई व मुसलमान बने लोगों की शुद्धि की गई। इन्हीं देश व धर्म के कामों के कारण आर्यसमाज के अनेक विद्वानों को शहीद होना पड़ा जिनमें ऋषि दयानन्द के बाद स्वामी श्रद्धानन्द, पं0 लेखराम, महाशय राजपाल आदि के नाम उल्लेखनीय हैं।

वर्तमान समय में वैदिक धर्म व संस्कृति को खतरा विधर्मी बाह्य मतों से तो है ही, अपने ही लोगों से जो गुरुडम व अन्यान्य मठ–मन्दिरों का निर्माण कर पाषाण पूजा कर व करवा रहे हैं तथा लोगों को फलित ज्योतिष के कुचक्र में फंसाया हुआ है, उनसे भी धर्म व संस्कृति कमजोर हो रही है जिसका लाभ विधर्मी उठाते हैं। दूसरे विदेशी मूल के मतों के अनुयायी व आचार्य परस्पर संगठित हैं जबकि सनातन वैदिक धर्म में अनेक प्रकार की विचारधारायें, मान्यतायें व अन्धविश्वास आदि भरे हुए हैं। सामाजिक दृष्टि से भी लोग संगठित न होकर अनेक जन्मना–जातियों, सम्प्रदायों व संगठनों आदि में विभाजित हैं। हमारे अपने ही भीतर ऐसे लोग भी हैं जो दूसरे मतों के पैरोकार हैं जिसका कारण उनको सत्य धर्म का ज्ञान न होना और वास्तविकता से दूर अपने किन्हीं राजनैतिक व अन्य स्वार्थों से जुड़ी सोच व विचारधारा है। इस कारण से हिन्दू समाज दिन प्रतिदिन कमजोर होता जा रहा है। हिन्दुओं की संख्या निरन्तर अन्य मतों की वृद्धि दर की तुलना में कम होती जा रही है जिससे भविष्य में हिन्दुओं की स्थिति का अनुमान लगाया जा सकता है। जब हिन्दू देश में अल्पसंख्यक हो जायेंगे तो हम अनुमान कर सकते हैं कि देश व समाज की क्या स्थिति होगी? इसकी चिन्ता न हमारे धार्मिक नेताओं व आचार्यों को है और न ही हमारे शिक्षित वर्ग के युवा व प्रौढ़ लोगों को है।

हमारे शिक्षित बन्धु विदेशों में जाकर काम करना चाहते हैं और धन कमाकर उससे सुख सुविधाओं का भोग करने पर ही उनका ध्यान केन्द्रित दीखता है। उन्हें इस बात से कोई लेना–देना नहीं है कि अतीत में किन कारणों से हमारा पतन व अपमान हुआ था? हम एक हजार वर्ष से अधिक अवधि तक गुलाम क्यों रहे? कम से कम उन पतन व गुलामी के कारणों को ही जान लेते, इसके लिये भी उनके पास समय नहीं है। जब तक हम अपने पतन के कारणों को नहीं जानेंगे तथा उन्हें दूर नहीं करेंगे हम कदापि सुरक्षित नहीं रह सकते। आर्यसमाज के विद्वान पतन के कारणों को जानते हैं परन्तु वह भी वर्तमान एवं भावी पतन को रोकने में असमर्थ बने हुए हैं। उन पर आधुनिकता और लोकैषणा की पूर्ति के कार्यों से ही अवकाश नहीं है। ऐसी स्थिति में समाज के कुछ सुधी लोगों का चिन्ताग्रस्त होना स्वाभाविक है। अन्धविश्वास व पाखण्डों को दूर करने की चुनौती तो समाज में है ही, प्रमुख चुनौती देश में हिन्दुओं की जनसंख्या का अनुपात कम न होने देने की है। यदि हिन्दुओं का जनसंख्या का अनुपात कम होता गया तो यह उनके लिये घोर आपदा, कष्ट, गुलामी साहित पतन व अपमान का कारण बनेगा। समझदार व्यक्ति वह होता है जो समस्या को उत्पन्न ही न होने दे। हम स्वास्थ्य को बिगाड़ने के कारणों को जानकर उनको उत्पन्न ही न होने दें जिससे कि शरीर में रोग होते हैं। हमें लगता है कि हिन्दू समाज अपने रोगों की उपेक्षा करता है। वह वर्तमान में जीता है। यदि वह भविष्य की चिन्ता करता तो इतिहास में जो हुआ है, वह कदापि न होता। आज भी स्थिति असन्तोषजनक प्रतीत होती है।

आर्यसमाज की स्थापना वैदिक धर्म और संस्कृति की रक्षा व उसके प्रचार प्रसार के लिए ऋषि दयानन्द जी ने मुम्बई में 10 अप्रैल, 1875 को की थी। आर्यसमाज का उद्देश्य हिन्दू समाज सहित संसार के अन्य मतों के अज्ञान, अन्धविश्वासों तथा पाखण्डों को भी दूर करना है। आर्यसमाज ने इस दिशा में कार्य किया है परन्तु उसे जो सफलता मिलनी चाहिये थी वह नहीं मिली। वर्तमान में आर्यसमाज में भी संगठन संबंधी कुछ विकृतियां देखने को मिलती हैं। हम विगत पचास वर्षों से इन विकृतियों को देख रहे हैं परन्तु इसमें कमी आती हुई दिखाई नहीं दी। यह असुखद भविष्य का संकेत लगता है। हमें यह निश्चय करना है कि जब तक समाज में धार्मिक, सामाजिक व अन्य प्रकार के अज्ञान पर आधारित मान्यतायें हैं, वैदिक धर्म व संस्कृति सुरक्षित नहीं रह सकती। वर्तमान एवं भविष्य को चिन्ताओं से मुक्त करने के लिये हमें अपने भेदभावों को दूर कर आपस में विश्वास उत्पन्न करना है। हमें एक माला की तरह एक सूत्र में बन्धना व ढलना है जैसे मोतियों की माला होती है जिसमें सब मोती एक सूत्र में पिरोये जाते हैं और वह सब शोभायमन होते हैं। यदि ऐसा यदि नहीं हुआ, जिसके होने की उम्मीद न के बराबर है, तो हमें लगता है कि सृष्टि के आरम्भ व 1.96 अरब वर्षों से चला आ रहा हमारा धर्म व संस्कृति सुरक्षित नहीं रहेगी। आर्यसमाज के नेताओं को जो किसी भी गुट से जुड़ा है, उस पर दायित्व है कि वह आर्यसमाज सहित देश के धार्मिक नेताओं से मिलकर उनको जाति पर आने वाले संकटों से अवगत व सावधान करायें और इसके साथ ही आर्य–हिन्दू समाज संगठित कैसे हो सकता है, उसकी हितकारी कड़वी दवा से भी अवगत कराये। किसी परिणाम को प्राप्त करने के लिये प्रयत्न आवश्यक होते हैं। हमें प्रयत्नों में कमी नहीं रखनी चाहिये। हिन्दू व आर्यसमाज को वैदिक मान्यताओं को जो महाभारत काल तक ब्रह्मा से जैमिनी ऋषि द्वारा मान्य व प्रचारित थी, उनको जानकर उन्हें अपनाना होगा। हमें इस कार्य को क्रियात्मक रूप देना चाहिये। सत्य का प्रचार करने से हम असत्य के बादलों को दूर कर सकते हैं। इसके लिये किसी भी स्थिति का सामना करने के लिये तत्पर होना चाहिये। हमने इस लेख वैदिक धर्म एवं संस्कृति की रक्षा की समस्या की ओर संकेत किया है। हम आर्यसमाज के शीर्ष विद्वानों से अपेक्षा करते हैं कि वह समस्या का समाधान खोजें और ऋषिभक्तों को अवगत करायें। अब आध्यात्मिक व्याख्यान देने का समय नहीं है। जाति की सुरक्षा पहली आवश्यकता होती है। एक भजन की पंक्तियां कुछ स्मरण हो रही हैं– 'समय पर जो जाति सम्भलती नहीं है, बिगड़ी उसकी किस्मत सुधरती नहीं है।' इससे मिलती जुलती पंक्तियां सम्भवतः कुवंर सुखलाल आर्य–मुसाफिर जी के एक भजन की हैं जो वर्तमान परिस्थितियों में अत्यन्त प्रासंगिक हैं। इस पूरे गीत से हम प्रेरणा लें।

ओ३म्

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

के तत्वावधान में

गुरूकुल कांगड़ी के संस्थापक, स्वतन्त्रता सेनानी, समाज सुधारक

93 वां स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस

सोमवार, 23 दिसम्बर 2019, प्रातः 10:00 से 11:30 बजे तक

स्थानः 20, विंडसर पैलेस, जनपथ, नई दिल्ली-110001

(निकट मैट्रो स्टेशन जनपथ)

मुख्य अतिथिः

श्री प्रवेश वर्मा

(संसद सदस्य)

अध्यक्षताः श्री जगदीश मलिक

(प्रधान, आर्य समाज नजफगढ़ दिल्ली)

ध्वजारोहणः श्री मायाप्रकाश त्यागी

(कोषाध्यक्ष, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा)

यज्ञ ब्रह्मा – आचार्य गवेन्द्र शास्त्री

विशिष्ट अतिथि

श्री आनन्द चौहान (निदेशक, ऐमिटी संस्थान)
ठाकुर विक्रम सिंह (अध्यक्ष, राष्ट्र निर्माण पार्टी)
श्रीमती रमेश कुमारी (शिक्षा भारती स्कूल द्वारका)
श्री सुरेन्द्र कोहली (सुप्रसिद्ध समाज सेवी)
श्री नवीन रहेजा (एम.डी., रहेजा डेवैलपर)
श्रीमती गायत्री मीना (प्रधाना, आर्य समाज नोएडा)
श्री ओमप्रकाश जैन (चेयरमैन, दिल्ली व्यापार महासंघ)
श्री यशपाल आर्य (प्रधान, आर्य समाज महावीर नगर)
श्रीमती उर्मिला आर्या (अध्यक्षा, आर्य युवती परिषद्)
चौ. ब्रह्मप्रकाश मान (प्रधान, गुरूकुल खेड़ाखुर्द)
श्री आर.पी. सूरी (समाजसेवी, पंजाबी बाग)
श्री रमेश गाडी (महामंत्री, आर्य समाज कालकाजी)
डॉ. धर्मवीर आर्य (प्रधान, आर्य समाज विशाखा एनक्लेव)
श्री प्रेमकुमार सचदेवा (प्रधान, आर्य समाज अशोक विहार-1)
श्री अमरसिंह सहरावत (मंत्री, आर्य समाज उत्तम नगर)
श्री दर्शन अग्निहोत्री (प्रधान, वैदिक साधन आश्रम)
डॉ. रिखबचन्द जैन (चेयरमैन, टी.टी ग्रुप)
श्री राजीव परम (चेयरमैन, परम डेयरी ग्रुप)
डॉ. डी. के गर्ग (चेयरमैन, ईशॉन इन्स्टीट्यूट)
श्री रविदेव गुप्ता (प्रधान, आर्य समाज सफदरजंग एन.)
श्री सुशील सलवान (सलवान ऐजुकेशन ट्रस्ट)
श्रीमती संगीता-राकेश चौधरी (शिक्षाविद्)
श्री ओम सपरा (पूर्व मैट्रो पोलेटेन मैजिस्ट्रेट)
श्री राजेश मेहन्दीरत्ता (प्रधान, आर्य समाज लाजपत नगर)
श्री रवि चड्डा (मंत्री, आर्य समाज पूर्वी पंजाबी बाग)
श्री अमीरचन्द रखेजा (आर्य समाज मयूर विहार-1)
श्री नरेन्द्र आर्य सुमन (महामंत्री, आर्य समाज रमेश नगर)
श्री आदर्श आहूजा (मंत्री, आर्य समाज मॉडल बस्ती)
श्री सुशील बाली (प्रधान, आर्य समाज देव नगर)
श्री जितेन्द्र डावर (प्रधान, आर्य समाज अमर कालोनी)

आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

निवेदक

अनिल आर्य	सुभाष आर्य	महेन्द्र भाई
राष्ट्रीय अध्यक्ष	पूर्व महापौर	राष्ट्रीय महामंत्री
9868051444	स्वागताध्यक्ष	7703922101

हिसार (हरियाणा) में आर्य कार्यकर्ता सम्मेलन व पंतजलि योग शिविर सम्पन्न

शनिवार, 30 नवम्बर 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला हिसार की कार्यकर्ता बैठक आर्य समाज,पटेल नगर, हिसार में प्रान्तीय अध्यक्ष स्वतन्त्र कुकरेजा की अध्यक्षता में सोल्लास सम्पन्न हुई। सभी ने दिल्ली आर्य महासम्मेलन को सफल बनाने का आश्वासन दिया। चित्र में–आर्य नेता ओमप्रकाश मलिक का अभिनन्दन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य,महेन्द्र मलिक,ईश आर्य व स्वतन्त्र कुकरेजा। प्रमुख रूप से सूर्यदेव आर्य(जीन्द),अजय आर्य (करनाल), मुनीष मलिक, कृष्ण आर्य, आचार्य परमजीतसिंह, प्रवीन आर्या, माधवसिंह आर्य आदि उपस्थित थे। जिला हिसार का सीताराम आर्य को जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। द्वितीय चित्र–पतजंलि योग समिति हिसार के तत्वावधान में ठाकुरदास भार्गव स्कुल हिसार में 15 दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया इस अवसर पर परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य का अभिनन्दन करते हुए अधिकारीगण।

जहां नहीं होता कभी विश्राम ओ३म् आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 41 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी धर्ममुनि जी, स्वामी श्रद्धानन्द जी के सानिध्य में

डॉ. अशोक कुमार चौहान की अध्यक्षता व आचार्य अखिलेश्वर जी के ब्रह्मत्व में

वायु प्रदुषण व पर्यावरण की शुद्धि के लिए

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक : 31 जनवरी व 1, 2 फरवरी 2020 (शुक्र, शनि व रविवार)

समारोह स्थान: रामलीला मैदान,पी.यू ब्लाक,विशाखा एनक्लेव,पीतमपुरा, दिल्ली (निकट मैट्रो स्टेशन कोहाट एनक्लेव)

राष्ट्रीय एकता तिरंगा यात्रा : शनिवार 1 फरवरी 2020, प्रातः 10.30 बजे

रूट : रामलीला मैदान,विशाखा एनक्लेव से चलकर वाया डी यू ब्लाक,सी यू ब्लाक, अग्रसेन पब्लिक स्कूल, बाहरी रिंग रोड,आर्य समाज विशाखा एनक्लेव,डिस्ट्रिक पार्क,होटल सिटी पार्क, पुलिस स्टेशन मोर्य एनक्लेव, आर्य समाज सी.पी.ब्लाक,पैट्रोल पम्प, एच.यू. ब्लाक होते हुए रामलीला मैदान 1.30 बजे समापन-प्रबन्धक: अरूण आर्य, प्रदीप आर्य, माधवसिंह आर्य, वरूण आर्य। संयोजक-योगेन्द्र शास्त्री, शिवम मिश्रा, हिमांशु वर्मा, राकेश आर्य, केशव आर्य, ओमप्रकाश नागिया, रणसिंह राणा, महेन्द्र टांक, उर्मिल-महेन्द्र मनचन्दा, अरविन्द आर्य, निर्मल जावा,संतोष आर्या, वीरेश आर्य, सन्तोष शास्त्री, वेद प्रकाश आर्य, प्रवीण आर्य, वीरेन्द्र योगाचार्य,विश्वनाथ आर्य, ओमवीर सिंह, के.एल. राणा, प्रकाशवीर शास्त्री, के.के. यादव, सुरेश आर्य, प्रमोद चौधरी, यज्ञवीर चौहान, देवेन्द्र गुप्ता, जितेन्द्र नरूला,मनोहर लाल चावला, हरिचन्द स्नेही, वीरेश भाटी,प्रदीप गोगिया, सुशील बाली, ब्रजेश गुप्ता,रामचन्द कपूर, रमेश गाडी, एस.पी. डुडेजा, इन्दू मेहता।

मुख्य यजमान : सर्वश्री दर्शन अग्निहोत्री, टी.आर.गुप्ता (जम्मू), राजीव परम, सुरेन्द्र मानकटाला, प्रेमलता सरीन

शुक्रवार 31 जनवरी, 2020

101 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रातः 8.00 से 10.00
आर्य नारी शक्ति सम्मेलन	: प्रातः 11.00 से 2.00
आर्य युवा शक्ति सम्मेलन	: दोपहर 2.00 से 5.00
व्यायाम प्रदर्शन	: सायं 5.00 से 6.00

आचार्य संजीव रूप जी द्वारा संगीतमय वेद कथा सांय 6 से 8 बजे तक

शनिवार 1 फरवरी, 2020

यज्ञ	: प्रातः 8.00 से 9.30
ध्वजारोहण	: प्रातः 10.00 बजे
राष्ट्रीय एकता शोभा यात्रा	: प्रातः10.30 से 1.30
राष्ट्र रक्षा सम्मेलन	: दोपहर 2.30 से 5.30
सामूहिक संध्या	: सायं 5.30 से 6.00

आचार्य संजीव रूप जी द्वारा संगीतमय वेद कथा सांय 6 से 8 बजे तक

रविवार 2 फरवरी, 2020

151 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रातः 8.00 से 10.30
ध्वजारोहण	: प्रातः 11.00 बजे
राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन	: 11.30 से 4.00 तक
आचार्य संजीव रूप जी द्वारा संगीतमय वेद कथा सायं 4 से 6 बजे तक	
कार्यकर्ता सम्मान – धन्यवाद	
शांतिपाठ समापन	: सायं 6.00 से 6.30

१. दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य बन्धु अपने पधारने की संख्या के बारे में 12 जनवरी 2020 तक सूचित करने की कृपा करें जिससे भोजन व आवास का उचित प्रबन्ध किया जा सके। सम्पर्क : देवेन्द्र भगत-9958889970, दुर्गेश आर्य-9868664800, सौरभ गुप्ता-9971467978

२. कृपया यजमान बनने के इच्छुक आर्य बन्धु अपना यज्ञ कुण्ड 12 जनवरी 2020 तक राजीव आर्य-9968079062, सतीश आर्य-9625048604 देवमित्र आर्य-9313199062, सोहन लाल आर्य-9810716655,आचार्य गवेन्द्र शास्त्री-9810884124 पर आरक्षित करवा लें।

हज़ारों की संख्या में पहुँचकर आर्य समाज की विराट् संगठन शक्ति का परिचय दें

अपील

इस रचनात्मक विशाल कार्यक्रम में आपका तन, मन, धन से सहयोग अपेक्षित है कृपया दानराशी क्रास चैक/ड्राफ्ट द्वारा ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली'' के नाम से कार्यालय के पते पर भिजवायें। ऋषि-लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, शुद्ध घी, रिफाईन्ड, सब्जी, मसाले आदि खाद्य सामग्री देकर पुण्य के भागी बनें

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9868051444, 7703922101, 9871581398, 9810114455

E-mail: aryayouthn@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com

Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com • join-http:// www.facebook.com/group/aryayouth

आर्य समाज, फतेहाबाद में कार्यकर्ता बैठक सम्पन्न : चन्दन आर्य जिला अध्यक्ष मनोनीत

शनिवार, 30 नवम्बर 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला फतेहाबाद (हरियाणा) की कार्यकर्ता बैठक आर्य समाज, फतेहाबाद में सम्पन्न हुई। चित्र में आर्य समाज के कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य के साथ। द्वितीय चित्र–जिला फतेहाबाद का जिला अध्यक्ष चन्दन आर्य को मनोनीत करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य व समाज के प्रधान श्री बंसीलाल, दारासिंह आर्य व तरूण मेहता। परिषद् के प्रान्तीय उपाध्यक्ष ईश आर्य व समाज के मंत्री राजवीर शास्त्री ने कुशल संचालन किया।

बटिण्डा के जिला अध्यक्ष नवनीत आर्य मनोनीत व ए.टी.एस.इन्द्रापुरम में वैदिक सत्संग

रविवार, 1 दिसम्बर 2019, पंजाब (बटिण्डा) में नवनीत आर्य को जिला संयोजक मनोनीत करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य,साथ में प्रवीन आर्या,कुशल गोयल व रवि गोयल। द्वितीय चित्र–ए.टी.एस.आर्य परिवार इन्द्रापुरम (गाजियाबाद) द्वारा 15 कुण्डीय यज्ञ किया गया,आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया व सुदेश आर्या के मधुर भजन हुए । चित्र में डा.आर.के.आर्य का स्वागत करते महेन्द्र भाई,यज्ञवीर चौहान,देवेन्द्र गुप्ता,प्रवीन आर्य,विनोद त्यागी आदि । अभिषेक गुप्ता ने कुशल संचालन किया।

आर्य समाज , अशोक विहार, फेज–1, व रमेश नगर,दिल्ली में बैठक सम्पन्न

शनिवार, 7 दिसम्बर 2019, उतरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल की बैठक आर्य समाज, अशोक विहार, फेज–1, दिल्ली में सोल्लास सम्पन्न हुई। सम्बोधित करते प्रधान प्रेमकुमार सचदेवा, मंच पर मण्डल के महामंत्री गोपाल आर्य, प्रधान ओम सपरा,डा. जयेन्द्र आचार्य, अनिल आर्य व देवेन्द्र भगत। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, रमेश नगर ,दिल्ली में पश्चिमी क्षेत्र की बैठक सम्पन्न हुई। चित्र में–महामंत्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन',प्रधान नरेश विग,आर.पी.सूरी,सुनील सहगल व अनिल आर्य।

आर्य समाज, कालकाजी का उत्सव व सरस्वती विहार, दिल्ली में बैठक सम्पन्न

शनिवार, 7 दिसम्बर 2019, आर्य समाज, कालकाजी, नई दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। अनिल आर्य सम्बोधित करते हुए व मंच पर वैदिक विद्वान आचार्य पुनीत शास्त्री (मेरठ)। प्रधान रामचन्द कपूर व महामंत्री रमेश गाडी ने कुशल संचालन किया। द्वितीय चित्र–आर्य महासम्मेलन तैयारी बैठक आर्य समाज,सरस्वती विहार,दिल्ली में सम्पन्न हुई,चित्र में–दुर्गेश आर्य,प्रधान ओमप्रकाश मनचंदा,अनिल आर्य,प्रवीन आर्या व हर्षा आर्या।

पं. हरिदेव आर्य वीर स्मृति दिवस

रविवार, 22 दिसम्बर 2019 को सायं 4.00 से रात्री 7.00 बजे तक आर्य समाज, सूर्य निकेतन, विकास मार्ग, पूर्वी दिल्ली में मनाया जायेगा। यज्ञ, भजन व प्रवचन का रोचक कार्यक्रम होगा, तत्पश्चात ऋषि लंगर। सभी आर्य जन सपरिवार पंहुचे। –यशोवीर आर्य, प्रधान

ऋषि जन्म स्थान टंकारा चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से 17 फरवरी व 19 फरवरी 2020 से हवाई जहाज द्वारा व ए.सी कमरों में निवास,थ्री टायर ऐ.सी व साधारण रेल द्वारा तीन प्रकार के यात्रा कार्यक्रम बनाये है,विस्तृत जानकारी हेतु इच्छुक सम्पर्क करें–देवेन्द्र भगत–9958889970 व अशोक बुद्विराजा–9868168680.

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्री बलदेव सचदेवा(आर्य समाज,डी ब्लाक,विकासपुरी) का निधन।
2. डा.अभयदेव शर्मा(वेद संस्थान,राजौरी गार्डन) का निधन।
3. स्वामी माधवानन्द जी(हिसार)का निधन।
4. श्रीमती सुलक्षणा गुप्ता(आर्य समाज,पश्चिम विहार) का निधन।
5. आर्य भजनोपदेशक श्री बृजपाल कर्मठ का निधन।
6. श्रीमती निर्मल चावला(आर्य समाज,राजपुरा,पंजाब) का निधन।
7. श्रीमती शकुन्तलादेवी पिपलानी(नोएडा) का निधन।
8. श्री सतनारायण(पिता उमाशंकर आर्य समाज,अशोक विहार–1) का निधन।
9. श्री ओमपाल सिंह (पिता निकिता सिंह, शाखा, अध्यक्ष, हापुड़) का निधन।

अपील: केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता सं. **10205148690** स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई.एफ.एस.कोड **-SBIN0001280** पर सीधे भेज कर हमें फोन न. **9868002130** पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित। – अनिल आर्य, मो. **9868051444**

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970